माइंडमाइन समिट में शीर्ष नेता और विचारक शामिल हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। हीरो एंटरप्राइजेज़ द्वारा स्थापित एक स्वतंत्र थिंक टैंक माइंडमाइन इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित भारत के सबसे प्रभावशाली विचार मंच माइंडमाइन समिट का 11वां संस्करण आज राष्ट्रीय राजधानी में शुरू हुआ। इस साल के इस दो दिवसीय समिट का विषय है अवरोध-भारत के लिए नयी सामान्य चीज जिसमें आज पहले दिन सरकार में वरिष्ठ मंत्री, उद्योगपति और विभिन्न क्षेत्रों से विचारक अपने विचारों का आदान प्रदान करने के लिए शामिल हुए। सम्मेलन का उद्घाटन शहरी विकास, आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्री वेंकैया नायडू ने किया। इस अवसर पर रेल मंत्री सुरेश प्रभु भी मौजूद थे। समिट के दौरान सुनील कांत मुंजाल ने इंपैक्ट इनवेस्टिंग के क्षेत्र में विश्व की अग्रणी और आविष्कार-इंटेलकैप ग्रुप का हिस्सा आविष्कार द्वारा शुरू किए गए आविष्कार भारत फंड में 100 करोड़ रुपये का निवेश करने की भी घोषणा की। यह निवेश रोज़गार, शिक्षा एवं कौशल, पर्यावरण, स्वास्थ्य और वित्तीय समावेश के संदर्भ में आज इस देश के समक्ष मौजूद प्रमुख चुनौतियों से निपटने की श्री मुंजाल की प्रतिबद्धता दर्शाता है। इस समिट का उद्घाटन करते हुए शहरी विकास, आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्री वेंकैया नायडू ने कहा, सोशल मीडिया के ज़रिये लोगों की शिकायतें दूर करना हमारी शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। वास्तव में इंस्टाग्राम पर हमारे प्रधानमंत्री के सबसे ज्यादा फालोअर्स है, अमेरिकी राष्ट्रपति से भी ज्यादा। हम अवरोध के युग में जी रहे हैं जोकि इस सरकार की नीति निर्माण प्रक्रिया में भी आता है। वास्तव में, दुनियाभर की बाधा हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्य करने के तरीके में सबसे अधिक आती है। जहां विमुद्रीकरण भ्रष्टाचार के खिलाफ एक लड़ाई है, वित्तीय लेनदेन का डिजिटलीकरण इससे सुनिश्चित हुआ है। जीएसटी एकल कर प्रणाली का एक क्रांतिकारी क्रियान्वयन है। डिजिटल भुगतान चैनलों के लिए अभियान और वित्तीय समावेश से भारतीयों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण सुनिश्चित होगा और उन्हें औपचारिक वित्तीय व्यवस्था के दायरे में लाएगा। वित्तीय समावेशी अभियान के तहत 28 करोड़ बैंक खाते पहले ही खोले जा चुके हैं। सम्मानित अतिथि रेल मंत्री सुरेश प्रभु ने कहा, भारतीय रेल की भविष्य में महत्वाकांक्षी योजनाएं हैं। हम अगले पांच साल में ढांचागत विकास में 140 अरब डॉलर का निवेश करने की संभावना तलाश रहे हैं। सभी मीटर गेज पटरियों को ब्रॉड गेज में परिवर्तित किया जाएगा। हम भारतीय रेल के संपूर्ण डिजिटलीकरण की दिशा में काम कर रहे हैं जिससे अरबों डॉलर की बचत होगी। रेलवे पटरियों के नवीकरण और पटरियों में टूटफूट का पता लगाने को नवीनतम प्रौद्योगिकी अपनाने के लिए करीब 10,000 करोड़ रुपये खर्च करेगी जिससे दुर्घटना की दर शून्य स्तर पर लाने में मदद मिल सके। वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने कहा, मुझे नहीं लगता है कि वैश्वीकरण पीछे हटने की राह पर है। निश्चित तौर पर कुछ चुनौतियां हैं क्योंकि वैश्वीकरण की वजह से संचित धन से ज्यादातर बहुराष्ट्रीय कंपनियों को लाभ हुआ है और इसका सभी में समान वितरण नहीं हुआ है। इसके परिणाम स्वरूप कुछ हद तक यह पीछे खिसका है। हमारे पास सेवाओं के व्यापार के लिए एक वैश्विक रूपरेखा नहीं है। भारत विश्व व्यापार संगठन में सेवाओं पर एक व्यापार सुगमता समझौता पर इस बहुपक्षीय निकाय में सभी प्रमुख मुद्दों को लेकर अगली कार्ययोजना के लिए रणनीति तैयार करने की योजना बना रहा है। दुनियाभर में संतृप्त अर्थव्यवस्थाओं को भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं से सेवा के व्यापार की जरूरत पड़ेगी। जयंत सिन्हा ने विस्तारपूर्वक कहा, श्भारत में विमानन उद्योग एक उगता सूरज है। हम उड़ान या उड़े देश का हर नागरिक की दिशा में काम कर रहे हैं जिसमें महानगरों और टियर 3 एवं टियर 4 शहरों जैसे शिमला, गोरखपुर, कानपुर आदि के बीच प्रभावी क्षेत्रीय हवाई संपर्क का निर्माण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी 27 अप्रैल को उड़ान लांच करेंगे और हम एक साल में सभी छोटे शहरों में 33 नए हवाईअड्डे जोड़ेंगे। यह केवल 205 करोड़ रुपये की सब्सिडी से हासिल किया जाएगा। सिन्हा ने हवाई चप्पल पहनने वालों को हवाई जहाज पर बिठाएंगे के अपने मिशन पर प्रकाश डाला जोकि हमारे प्रधानमंत्री के मिशन सबका साथ, सबका विकास की तर्ज पर है। इस आयोजन में हीरो एंटरप्राइज़ के चेयरमैन सुनील कांत मुंजाल ने कहा, अत्यधिक आर्थिक मायूसी की इस दुनिया में भारत दुनिया के बाकी देशों के मुकाबले बेहतर कर रहा है। हालांकि, हमारे लिए इतना ही पर्याप्त नहीं है। हमने 1990 के दशक से ही वृद्धिशील परिवर्तन से कहीं अधिक की शुरुआत की है। माइंडमाइन में हमने पिछले 10 शिखर सम्मेलों पर नज़र रखने की कोशिश की है और इस दिशा में हम मोड़ पर आगे रहे हैं। आज व्यवस्था को दुरुस्त करने की जरूरत बढ़ रही है और यथास्थिति ज्यादा दिनों तक स्वीकार्य नहीं है। भारत के उभरने और सभी भारतीयों की आकांक्षाएं पूरी करने के लिए क्या वृद्धिशील परिवर्तन ही पर्याप्त है या अवरोध नया नियम है सरकार विमुद्रीकरण, जीएसटी के क्रियान्वयन, डिजिटल भुगतान जैसे विघ्नकारी उपायों के जरिये ऐसे निर्णय कर रही है जिसका परिणाम आने वाले 10-20 साल या 50 साल में दिखाई देगा। जिस तरह के बदलाव और सुधार किए जा रहे हैं, वे संभवत: किसी को भी नहीं सुहा रहे। यह कहा जा सकता है कि अगर हमें दुनिया की रफ्तार से कदम से कदम मिलाना है और लाखों भारतीयों के लिए एक बेहतर जीवन की आकांक्षा करनी है तो भारत में अवरोध बहुत जरूरी है। यह समिट प्रतिष्ठित बीएमएल मुंजाल अवार्ड्स फार बिज़नेस एक्सिलेंस थ्रू लर्निंग एंड डेवलपमेंट प्रदान किए जाने के साथ संपन्न होगा। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में कॉरपोरेट क्षेत्र, सरकार, नौकरशाही एवं मनोरंजन कारोबार सहित सभी सामाजिक क्षेत्रों से शीर्ष 75 प्रभावशाली लोग शामिल होंगे और आज इस देश के समक्ष पैदा हुए मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इस शिखर सम्मेलन से पूर्व मुंबई में 31 मार्च, को अवरोध से भारतीय क्षण तैयार करने पर माइंडमाइन परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसमें उद्योग जगत की कई नामी हस्तियों ने हिस्सा लिया। इस दो दिवसीय सम्मेलन को जो अन्य प्रख्यात वक्ता संबोधित करेंगे उनमें कानून एवं न्याय और इलेक्ट्रानिक्स एवं आईटी मंत्री रविशंकर प्रसाद, पर्यटन एवं संस्कृति राज्यमंत्री डॉक्टर महेश शर्मा, पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टर अमरिन्दर सिंह, दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिन्दर सिंह हुड्डा, राज्यसभा सांसद मणिशंकर अय्यर, राज्यसभा सांसद पवन वर्मा, भाजपा की प्रवक्ता सुश्री शाज़िया इल्मी, हरियाणा विधानसभा विधायक रणदीप सुरजेवाला, मनीष तिवारी, कलाकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री नफीसा अली, नीति आयोग के वाइस चेयरमैन डॉक्टर अरविंद पनगड़िया, मेदांता के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक डॉक्टर नरेश त्रेहन, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज की पूर्व प्रबंध निदेशक सुश्री विनीता बाली, काउंसिलएज इंडिया के मैनेजिंग पार्टनर सुहैल सेठ, दसॉल्ट सिस्टम्स के उपाध्यक्ष डॉक्टर चंदन चौधरी, अपोलो हॉस्पिटल्स की कार्यकारी वाइस चेयरपर्सन सुश्री शोभना कमिनेनी, टीपीजी ग्रोथ के एशिया प्रमुख विशाल बाली, टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस के एमडी व सीईओ नवीन तहिलयानी, इपोच एल्डर केयर की सीईओ सुश्री नेहा सिन्हा, एनडीटीवी के संपादक राजीव मखनी, मीडियानामा डॉट कॉम के संस्थापक निखिल पहवा और अन्य लोग शामिल हैं।